हिन्दी दैनिक

सत्ता संकेत

शनिवार, 21 सितंबर 2024, लखनऊ | sattasanket@gmail.com | R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492 | वर्ष 09, अंक 109 04 पेज, मूल्य ₹1.00

यूपी में अपराधियों का भाजपाईकरण

लखनऊ, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा सरकार में अपराधियों का भाजपाईकरण हो गया है और अपराध और कानून-व्यवस्था पर जीरो टॉलरेंस का दावा फेल है।श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में अपराधियों ने एक साधु की सरेआम बेरहमी से हत्या कर दी। अयोध्या से राम मंदिर में सफाई कर्मचारी के साथ 16 से 25 अगस्त तक कई बार सामूहिक दुष्कर्म में सत्ता दल से सम्बन्धित आरोपित है। महिलाएं आस्था के स्थान पर भी सुरक्षित नहीं हैं।उन्होने कहा कि यह घटनाएं उत्तर प्रदेश में बेखौफ घूम रहे दुर्दांत गैंग का सच सामने ला रही है।

प्रदेश में हर दिन हत्याएं हो रही है। अपराधियों में प्रशासन का कोई डर नहीं है। महिलाओं के साथ अपराधों में तो उत्तर प्रदेश देश में सबसे ऊपर है। भाजपा सरकार के लोग जब यह कहते है कि अपराधी प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं तो वह सच से मुंह मोड़ रहें हैं। दरअसल भाजपा सरकार में अपराधी कहीं नहीं गए हैं, उनका भाजपाईकरण हो गया है। तमाम दबंगों, अपराधियों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। सरकार हर स्तर पर भेदभाव करती है।

यादव और मुसलमान भाजपा सरकार के निशाने पर: अखिलेश

कन्नौज, एजेंसी।

समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के निशाने पर यादव और मुसलमान हैं। एक दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को कन्नौज पहुंचे श्री यादव ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा। उन्होने पत्रकारों से बातचीत में सपा विधायक जाहिद बेग पर हुई एफआईआर पर कहा, यह सरकार केवल यादव और मुसलमान पर नजर डाल रही है। अगर ये दोनों हैं तो तुरंत कार्रवाई हो जाएगी। अगर घर का कोई कर्मचारी सुसाइड कर ले तो इसमें कौन जिम्मेदार हो सकता है।

खास खबर

सनातन धर्म को कलंकित करने वाली पार्टी है सपा: चौधरी

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके आकाओं ने सनातन धर्म को सदैव कलंकित करने का काम किया है।श्री चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा सपा ने हमेशा ही सनातन धर्म को कलंकित करने का काम किया है। हमारे साधु संतो और महापुरुषों के बारे में उनके विचार जग जाहिर है। अयोध्या में निहत्थे कार सेवकों पर गोलीबारी की गवाह पूरी दुनिया बनी थी। सनातन धर्म के बारे में सपा नेताओं की बयानबजी से उनका स्वभाव कहीं न कहीं परिलक्षित होता है।

बाराबंकी में दुष्कर्म का प्रयास करने वाला मौलाना गिरफ्तार

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी के शहर कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार को बीमार भाई को फूंक डलवाने आई बच्ची से दुष्कर्म का प्रयास करने वाले मौलाना को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के एक मोहल्ले में कथित रूप से फूंक डालकर बीमार लोगों को ठीक करने का दावा करने वाले मौलाना ने बीमार भाई पर फूंक डलवाने आई कक्षा पांच की छात्रा के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। स्थानीय लोगों के आक्रोश के बाद पुलिस ने मौलाना को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के अनुसार कक्षा पांच की छात्रा अपने बीमार छोटे भाई को ठीक करने के लिए मौलाना से पानी में फूंक डलवाने के लिए मौलाना के घर ले गई थी। बच्ची को अकेले देखकर मौलाना ने उसके साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दी। उसने बच्ची को बेड पर लिटाकर दुष्कर्म का प्रयास किया।

मथुरा में रेल यातायात हुआ बहाल

मथुरा। मथुरा में वृन्दावन रोड और आइई स्टेशनों के बीच बुधवार रात मालगाड़ी के डिब्बे पलटने की घटना के बाद रेलवे की तकनीकी टीम ने राहत एवं बचाव कार्य पूरा कर लिया है जिसके बाद सभी चार रेल लाइनों में रेल संचालन बहाल हो गया है।उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल की डीसीएम एवं जनसंपर्क अधिकारी प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि आज अपरान्ह ढाई बजे दूसरी लाइन की मरम्मत होने के बाद उसे चालू कर दिया गया था तो साढ़े चार बजे लाइन नम्बर एक को भी मरम्मत का कार्य पूरा हो जाने के कारण चालू कर दिया गया है।

गोरखपुर में योगी बोले- हमने अपनी जय इसलिए नहीं चाही कि कोई प्रताड़ित हो, हर काम हो देश के नाम

हिंदू धर्म रहेगा हमेशा जीवित

गोरखपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि एक संत की भूमिका समाज में मार्गदर्शक के रूप में होती है। उसके अनुरूप ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ नाथ जी महाराज एवं ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ नाथ जी महाराज ने पूरी दृढ़निष्ठा से अपना जीवन जिया। उन्होंने समाज के अंदर व्यापक जन जागृति लाने का कार्य भी किया। जीवन को चार पुरुषार्थों में बांटा गया है। इसका मार्ग धर्म से प्रारंभ होता है एवं उसका चरम उत्कर्ष मोक्ष है। धर्म के लक्षणों को अंगीकार कर उसके अनुरूप जीवन जीते हुए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

मुख्यमंत्री जी आज श्री गोरक्षनाथ मंदिर परिसर, गोरखपुर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं तथा राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित ह्यसाप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह 2024ह्ल के अन्तर्गत ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इन दोनों संतों का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था। उन्होंने धर्म को सिर्फ उपासना की विधि नहीं माना। धर्म के बारे में भारतीय मनीषा की अवधारणा के अनुरूप उन्होंने अपना जीवन जिया और उसके अनुरूप आचरण किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अच्छी शिक्षा सभ्य एवं समर्थ समाज के लिए पहली आवश्यकता है। स्वतंत्रता से पूर्व वर्ष 1932 में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की स्थापना की गयी थी। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अपनी यात्रा दौरान नाम कमाने एवं धनोपार्जन के बजाय लोक कल्याण का माध्यम बना। महंत दिग्विजय नाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं अन्य शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों को लोक कल्याण के साथ-साथ एक व्यापक अवधारणा के रूप में आगे बढ़ाने का कार्य किया। स्वतंत्रता के पश्चात जब जनपद गोरखपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग हुई, तब तत्कालीन ■ शेष पेज 03 पर

गोरखनाथ मंदिर में आईं पुंगनूर गाय को योगी ने खूब दुलारा

गोरखपुर, एजेंसी।

गोसेवा के लिए देश भर में प्रसिद्ध गोरक्षपीठ में अति दुर्लभ नस्ल में शामिल आंध्र प्रदेश की पुंगनूर गाय को भी गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में लाया गया है। सबका ध्यान आकर्षित करने वाली पुंगनूर नस्ल के गोवंश जोड़ी ;बछिया और बछड़ा. के मंदिर की गोशाला में आने पर शुक्रवार सुबह प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और उन्हें अपने हाथों से गुड खिलाया।मुख्यमंत्री योगी की गोरखपुर के प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन.पूजन किया और ■ शेष पेज 03 पर

विधानसभा उपचुनाव में बजेगा भाजपा का डंका: मौर्य

अयोध्या, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा कि प्रदेश में होने वाले उपचुनाव की सभी दसों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का परचम लहरायेगा।श्री मौर्या ने शुक्रवार को पीएम विश्वकर्मा योजना के लाइव प्रसारण में शरीक होने के बाद पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि प्रदेश में होने वाले उपचुनाव की सभी दसों सीटों पर भारतीय जनता पार्टी जीत रही है। प्रधानमंत्री का एक ही लक्ष्य है कि जब तक गरीब अमीर नहीं बनेगा तब तक भारत दुनिया में नंबर एक नहीं बनेगा, इसलिए उनका लक्ष्य गरीब को अमीर बनाना है और उनके जीवन को खुशहाल बनाना है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में जो उपचुनाव हो रहे हैं उसमें भारतीय जनता पार्टी तो दसों सीटों पर जीत रही है लेकिन समाजवादी पार्टी समाप्त पार्टी इस चुनाव में बनेगी। समाजवादी पार्टी झूठ बोलकर गुमराह करके 2024 के चुनाव में कुछ सीटें जीती थी जिस पर उनको भी अपेक्षा नहीं रही होगी।उन्होंने कहा कि हमारी जो कमियां थी उसको हम लोगों ने खोज लिया है। उसको सुधार करके पूरे प्रदेश में कमल ही खिलायेंगे।

मोदी की अमेरिका यात्रा

वैश्विक शांति के प्रस्तावों पर चर्चा करेंगे मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अपनी अमेरिका की आगामी यात्रा के दौरान रूस यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में इजरायल हमास संघर्ष को रुकवाने के प्रस्तावों पर अमेरिका के राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन सहित अनेक प्रमुख विश्व नेताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा करने की संभावना है। श्री मोदी 21 से 23 सितंबर के बीच अमेरिका की तीन दिन की यात्रा रहेंगे। वह इस दौरान राष्ट्रपति बिडेन के गृह नगर फिलाडेल्फिया प्रांत के डेलावेर में अमेरिका, भारत,

यूक्रेन और गाजा की लड़ाई एजेंडे में शामिल

जापान और आस्ट्रेलिया के चतुष्कोणीय गठबंधन क्वाड के छठवें शिखर-सम्मेलन (प्रत्यक्ष रूप से चौथे) तथा न्यूयॉर्क में 23 सितंबर भविष्य पर शिखर-सम्मेलन में भाग लेंगे।

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की ■ शेष पेज 04 पर

इटावा: यूपी में सितंबर में ही होने लगा सर्दी का एहसास

कोहरे ने दी दस्तक!

इटावा, एजेंसी।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में पिछले दिनो हुयी झमाझम बारिश के बाद शुक्रवार को कोहरे ने गुलाबी ठंड का अहसास कराया।इटावा की सड़को पर कोहरा सुबह छह बजे से करीब सवा सात बजे तक देखा गया ।

रात से कोहरे की हल्की परत फुहार के रूप में शुरू हो गई थी जो सुबह सूरज की रोशनी निकलने तक जारी रहा है। स्कूली बच्चे मौसम का पहला कोहरा देख कर बेहद खुश भी हुए है जबकि तड़के भ्रमण करने वालों को हल्की सर्दी का भी एहसास हुआ है।

मार्निंग बाकर अशोक कुमार बताते है कि वो सुबह पांच बजे के आसपास टहलने के लिए अपने घर से निकले थे,सुबह छह बजते ही कोहरा एकाएक शुरू हो गए। हैरत में पड़ना लाजिमी था क्योंकि इससे पहले कभी भी सितंबर माह में इस तरह से कोहरा नहीं पड़ा था।मौसम विज्ञानी डी.एस.चौहान का कहना है कि समय से पहले कोहरा पड़ जाना इस बात का संकेत है कि मौसम में बड़ा बदलाव हो रहा है और यह ■ शेष पेज 04 पर

विधायक जाहिद बेग को नैनी व पुत्र को वाराणसी जेल भेजा गया

भदोही, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश में भदोही के समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक जाहिद बेग को नैनी और उनके बेटे को शुक्रवार को केंद्रीय कारागार वाराणसी भेज दिया गया। जिलाधिकारी भदोही विशाल सिंह के आदेश पर भदोही कारागार में निरूद्ध विधायक जाहिद बैग व उनके अधिवक्ता पुत्र जईम बेग को शुक्रवार सुबह अन्यत्र स्थानांतरित कर दिया गया। विधायक जाहिद बेग को केंद्रीय कारागार नैनी व जईम बेग कोकेंद्रीय कारागार शिवपुर वाराणसी भेजा गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जाहिद बेग के आत्मसमर्पण के दौरान विधायक सहित लगभग 40- 50 अन्य लोगों ने नोंक-झोंक व कानून व्यवस्था को हाथ लेने का प्रयास किया गया। मामले में विधायक सहित दर्जनों अज्ञात लोगों के विरुद्ध ज्ञानपुर थाने में धारा 121(2), 132, 221 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

योगी ने सुनीं 300 लोगों की समस्याएं: भूमाफियाओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश, बोले

नहीं होने देंगे अन्याय

गोरखपुर, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और इस दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि लोगों की समस्याओं का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान त्वरित और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं।

जनता दर्शन के दौरान शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार के बाहर कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक.एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी चिंता करने की आवश्यकता ■ शेष पेज 04 पर

फिर चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

लखनऊ, एजेंसी।

बारिश से पनपने वाले वेक्टर जनित रोगों, संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए उत्तर प्रदेश में एक अक्टूबर से संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू होगा, जो 31 अक्टूबर तक चलेगा।

इसके साथ ही 11 अक्टूबर से 31 अक्तूबर तक पूरे प्रदेश में दस्तक अभियान भी चलाया जाएगा। वर्ष-2024 के तृतीय चरण के संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर संचालित किया जाएगा। अभियान को स्वास्थ्य विभाग समेत 11 अन्य विभाग आपसी समन्वय से संचालित करेंगे। रकार की ओर से लोगों से भी अपील की गई है कि अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

साथ ही उन स्थानों से भी स्वास्थ्य विभाग की टीम को अवगत कराएं, जहां मच्छर पनपते हैं। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी नगर आयुक्तों, जल संस्थान के महाप्रबंधकों एवं नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारियों को कार्ययोजना को अमल में लाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही ■ शेष पेज 04 पर

सपा के पापों की सजा जनता देती रही है और आगे भी देगी: शाही

बहराइच, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शुक्रवार को कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) के पापों की सजा प्रदेश के जनता पिछले दो चुनाव में दे चुकी है और आगे भी देती रहेगी।श्री शाही ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भेड़ियों को पकड़ने के लिए एसटीएफ लगाने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त थी। मुजफ्फरनगर के दंगों के आरोपियों को मुख्यमंत्री आवास में भोज के साथ पुरस्कृत किया जाता था। उन्होंने कहा, ये उनके पाप हैं, जो जनता ने उन्हें 2017 में रिजेक्ट किया, 2022 में किया और आगे भी करेगी।

कांग्रेस के अंदर देशभक्ति दम तोड़ चुकी है: पीएम मोदी

वार्धा (महाराष्ट्र), एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की हाल की विदेश यात्रा में उनके विवादास्पद बयानों को लेकर कांग्रेस की तीखी आलोचना की और कहा कि आज की कांग्रेस महात्मा गांधी की कांग्रेस नहीं रह गयी है, इस पार्टी में देश भक्ति दम तोड़ चुकी और इस पर नफरत का भूत सवार हो चुका है।श्री मोदी संसद में नेता प्रतिपक्ष का नाम लिए बिना कहा कि आज कांग्रेस के नेता विदेश जा कर देश विरोधी एजेंडा चलाते हैं और भारतीय संस्कृत तथा यहां के लोगों की आस्था का अपमान करते हैं। श्री मोदी कारीगरों की सहायता के लिए चल रहे केंद्र सरकार के विश्वकर्मा कार्यक्र पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।उल्लेखनीय है कि यहां वार्धा आश्रम महात्मा गांधी और आचार्य विनोबा भावे जैसे महापुरुषों की कार्यस्थली और सामाजिक प्रयोगशाला रही है।

प्रधानमंत्री कहा, आज जो कांग्रेस हम देख रहे हैं, ये वो कांग्रेस नहीं है जिससे कभी महात्मा गांधी जी जैसे महापुरुष जुड़े थे। आज की कांग्रेस में देशभक्ति की आत्मा दम तोड़ चुकी है। आज की कांग्रेस में नफरत का भूत दाखिल हो गया है।उन्होंने श्री गांधी की हाल की अमेरिका यात्रा में सिखपंथ के लोगों की भारत में स्थिति और अन्य मुद्दों पर उनके विवादास्पद बयानों तथा कथित तौर पर कुछ भारत विरोधी लोगों के साथ उनकी मुलाकातों की ओर संकेत करते हुए कहा, आप देखिए, आज कांग्रेस के लोगों की भाषा, उनकी बोली, विदेशी धरती पर जाकर उनके देशविरोधी एजेंडे, समाज ■ शेष पेज 04 पर

सम्पादकीय

बिहार का सुशासन और दलितों पर अत्याचार

बिहार में कानून व्यवस्था की धज्जियां किस कदर उड़ चुकी हैं, इसका प्रमाण बुधवार को एक बार फिर सामने आया। नवादा जिले के ददौर गांव की कृष्णानगर नाम की एक दलित बस्ती में दबंगों ने कई राउंड फायरिंग करने के बाद आग लगा दी, जिसमें करीब 80 घर जलकर खाक हो गए। कई जानवरों के मरने की सूचना है, लेकिन किसी इंसान की जान को हानि नहीं पहुंची है, क्योंकि इस हमले की आशंका से लोग पहले ही अपने घरों को छोड़कर चले गए थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब किस तरह अपने सुशासन का दावा कर सकेंगे, ये तो कहा नहीं जा सकता। फिलहाल वे यही कह सकते हैं कि इस मामले के बाद अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसमें घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा नंदू पासवान भी शामिल है।खबरों के मुताबिक 2014 में बिहार पुलिस से रिटायर हुआ नंदू पासवान इस इलाके का भू माफिया है और आगजनी की यह घटना 1995 से ही चले आ रहे एक भूमि विवाद से जुड़ी हुई है। कारण जो भी रहा हो, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या कोई सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी, पुलिसकर्मी या सामान्य नागरिक इस कदर दुस्साहस कर सकता है कि उसके कहने पर एक गांव लगभग पूरा जला दिया जाए। यह वारदात साफ इशारा करती है कि बिहार में सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की पुलिस प्रशासन पर पकड़ कमजोर है और कानून-व्यवस्था गर्त में जा चुकी है।अभी बहुत पुरानी बात नहीं है, इसी साल मई माह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा शासन और खासकर नरेन्द्र मोदी के शासन को लेकर लंबे-चौड़े दावे किए थे। श्री नड्डा ने कहा था नरेंद्र मोदी के 10 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे। एक तरफ सेवा है, सुशासन है, गरीब कल्याण है, तो दूसरी तरफ राजद-कांग्रेस के शासन की लूट, कुशासन और उनके परिवार का कल्याण था। दोनों में तय आपको करना है। श्री नड्डा लोकसभा के लिए जनता का वोट मांग रहे थे, लेकिन जिस तरह उन्होंने राजद और कांग्रेस के शासन को कोसा, उससे जाहिर है कि वे नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन को छोड़कर एनडीए में साथ आने को सही ठहरा रहे थे। नीतीश कुमार ने भी मन न लगने को कारण बताते हुए ही राजद और कांग्रेस से किनारा करके फिर से भाजपा से दोस्ती की और राज्य की सत्ता में भाजपा को दोबारा आने का मौका दिया था। अब उसका नतीजा सामने है कि जिस सुशासन के दावे नीतीश कुमार को लेकर किए जाते रहे, उसकी हकीकत क्या है। अब तक कई पुलों का गिरना ही काफी नहीं था कि एक बार फिर जातीय हिंसा की भयावह याद ताजा कराती नवादा की घटना घटी है।पाठक जानते हैं कि इसी बिहार में 27 मई 1977 को मात्र एक का जमीन के विवाद पर 11 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी, जिनमें आठ दलित और तीन सोनार जाति के लोग थे। मरने वालों में एक 12 बरस का विक्षिप्त बच्चा भी था। तब मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री थे और इंदिरा गांधी आपातकाल के बाद चुनाव हार गई थीं, लेकिन फिर भी वे बेलछी तक गई और भारी बारिश के कारण चलना मुश्किल हुआ तो हाथी पर बैठ कर गई। इसके बाद कांग्रेस में किस तरह नयी जान पड़ गई, ये अलग इतिहास है। बहरहाल, बेलछी हत्याकांड से केंद्र की जनता दल सरकार बुरी तरह घिर गई थी, तत्कालीन गृहमंत्री चौधरी चरण सिंह ने इस हत्याकांड में जाति के एंगल को नकारा, तो यह दांव उन्हीं पर उल्टा पड़ गया। हालात संभालने के लिए सरकार ने आठ सदस्यीय सांसदों की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया, जिसमें एक सदस्य रामविलास पासवान भी थे।

आतंक का एक खतरनाक चेहरा

> इस विज्ञान के कारण आज दुनिया किस तरह मुट्ठी में समाई हुई है, यह सभी जानते हैं। अमूमन सभी के हाथों में मोबाइल है। मोबाइल से पहले पेजर का इस्तेमाल बहुतायत में होता था। इसके जरिए लिखित या मौखिक संदेश भेजे जाते थे। बेरुत के हमले में इसी पेजर को माध्यम बनाया गया है। दरअसल हिज़्बुल्लाह अपने लड़ाकों को सुरक्षा कारणों से पेजर इस्तेमाल करने के लिए कहता रहा है।

विश्व की भयावह आतंकी घटनाओं की साक्षी बनी तारीखों में अब एक तारीख 17 सितंबर 2024 भी दर्ज हो गई है। लेबनान की राजधानी बेरुत में मंगलवार, 17 सितंबर को सिलसिलेवार पेजर धमाके हुए, जिसमें नौ लोगों की मौत करीब 2800 लोगों के घायल होने की खबर है। मृतकों में दो व्यक्ति हिज्बुल्लाह के दो सांसदों के बेटे हैं। वहीं घायलों में लेबनान में ईरानी राजदूत मुजतबा अमानी भी शामिल हैं। इस हमले में मौतों का आंकड़ा अतीत की आतंकी घटनाओं से भले कम दिखे, लेकिन इसे भयावहतम घटनाओं में इसलिए रखा जा सकता है क्योंकि जिस तरीके से इसमें आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल हुआ है, उस बारे में आम इंसान सोच भी नहीं सकता। 11 सितंबर 2001 को जब न्यूयार्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर में सीधे दो-दो हवाई जहाज टकरा दिए गए थे, या 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेनों में धमाके हुए थे, या 2016 में फ्रांस में बैस्टिल डे का जश्न मना रहे लोगों को 19 टन का मालवाहक ट्रक रौंदते हुए चला गया, या 26 नवंबर, 2008 को मुंबई को चार दिनों तक बंधक बना कर आतंकी हमला हुआ, तब भी लोगों को एकबारगी यकीन नहीं आया था कि आतंकवाद का सामना इस तरह से करना पड़ेगा। आतंकवादी इसी रणनीति पर चलते हैं कि कुछ ऐसा करें, जिनसे आम लोग न केवल दहशत में आ जाएं, बल्कि उनका इंसानियत पर से भरोसा ही उठ जाए।ऊपर उल्लिखित तमाम हमलों में बंदूक, बम, बारुद का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन बेरूत में हुआ हमला इन सबसे भयानक इसलिए कहा जा सकता है कि क्योंकि रोजमर्रा में सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए बनाए गए पेजर को हैक करके लोगों को मारा गया, घायल किया गया। कुछ बरस पहले स्कूलों में निबंध का एक अहम विषय हुआ करता था, विज्ञान अभिशाप है या वरदान। जिसमें विद्यार्थी अक्सर हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए अणु बम का उल्लेख करके इस निष्कर्ष पर पहुंचते थे कि अगर हिंसा के लिए विज्ञान का इस्तेमाल किया जाए तो वह अभिशाप बन जाता है। मेरा ख्याल है विज्ञान को अभिशाप बताने की जगह इंसान की नीयत पर विचार करने पर जोर दिया जाना चाहिए।

ज्ञान और इंसानियत के विकास का गहरा संबंध है। जब मनुष्य गुफाओं और जंगलों में रहता था, तब दो पत्थरों को रगड़कर उसने आग जलाना सीखा और उन्हीं पत्थरों को नुकीला बनाकर शिकार करने के लिए भी इस्तेमाल किया। लेकिन तब यह सवाल करना बेमानी था कि पत्थर वरदान या है अभिशाप। क्योंकि पत्थर ने आग जलाकर या शिकार करके, दोनों तरीकों से इंसान की मदद ही की। अब अगर इंसान उसी पत्थर का इस्तेमाल दूसरे इंसान को मारने के लिए करे, तो इसमें पत्थर पर नहीं, नीयत पर सवाल उठने चाहिए। आदिम काल में जो उपयोगिता पत्थर की थी, अब विज्ञान की है।इस विज्ञान के कारण आज दुनिया किस तरह मुठ्ठी में समाई हुई है, यह सभी जानते हैं। अमूमन सभी के हाथों में मोबाइल है। मोबाइल से पहले पेजर का इस्तेमाल बहुतायत में होता था। इसके जरिए लिखित या मौखिक संदेश भेजे जाते थे। बेरुत के हमले में इसी पेजर को माध्यम बनाया गया है। दरअसल हिज्बुल्लाह अपने लड़ाकों को सुरक्षा कारणों से पेजर इस्तेमाल करने के लिए कहता रहा है, क्योंकि मोबाइल के जरिए किसी की लोकेशन का पता करने या मोबाइल हैक करके सारा डेटा चुराने में वक्त नहीं लगता।

मोबाइल में विस्फोटक डालकर हत्या भी हो चुकी है। 1996 में हमास नेता याहया अयाश के फोन में 15 ग्राम आरडीएक्स विस्फोटक भरा गया था और जब याहया ने अपने पिता को फोन किया, उसी समय उसमें विस्फोट हो गया था। इस हत्या के पीछे इजरायल का हाथ था। अब एक बार फिर पेजर के जरिए हुए धमाकों के लिए भी इजरायल को ही जिम्मेदार माना जा रहा है, क्योंकि हिज्बुल्लाह लगातार इजरायल की उत्तरी सीमा पर रॉकेट और मिसाइल के हमले कर रहा है। हिज्बुल्लाह ईरान का सहयोगी है और ईरान की इजरायल के साथ दुश्मनी जाहिर है। हालांकि इजरायल ने अब तक इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन पेजर के जरिए विस्फोट करने का काम मोसाद जैसी अत्याधुनिक तकनीकी से लैस एजेंसी ही कर सकती है, ऐसा माना जा रहा है।

पेजर से विस्फोट को अंजाम कैसे दिया गया, इस बारे में अब कई किस्म के अनुमान लगाए जा रहे हैं। कुछ जानकारों का कहना है कि पेजर को हैक करके उसकी बैटरी को बेहद गर्म कर दिया गया हो, जिस वजह से धमाका हुआ हो, वहीं कुछ का मानना है कि जब पेजर खरीदे गए हों, तभी उनमें किसी तरह की गड़बड़ी कर दी गई हो ताकि बाद में एक साथ धमाका हो। खबर है कि कुछ महीने पहले हिज्बुल्लाह ने ताइवान में बने 5000 पेजर के ऑर्डर दिए थे, जानकार मानते हैं कि मोसाद ने उसी समय इन पेजरों में विस्फोटक डाला होगा।

अनुमान है कि इसमें लिथियम ऑयन बैटरी के साथ एक छोटा विस्फोटक छिपाया गया, जिसे बस एक संदेश के जरिये विस्फोट कराया गया।बड़ी खतरनाक और चिंताजनक बात है कि हमला किस तरह हुआ, इसी का पता नहीं लग पा रहा है और जब तरीका पता न चले तो भविष्य में उसकी रोकथाम के इंतजाम किस तरह होंगे। इससे पहले रेडियो, घड़ी, टीवी, मोबाइल जैसी किसे भी उपकरण से हमला किया गया तो उसमें बनाने के दौरान ही गड़बड़ी कर दी गई। इसके अलावा कंप्यूटर या मोबाइल के सॉफ्टवेयर को हैक करके आक्रमण हुए। लेकिन हार्डवेयर यानी पेजर जैसे उपकरणों की सप्लाई चेन पर अगर हमला हुआ है तो इसका मतलब है कि अब आतंकवाद कुछ और गंभीर स्तर पर पहुंच गया है। इजरायल इस हमले की जिम्मेदारी भले न ले, लेकिन दुनिया की तमाम खुफिया एजेंसियां और सरकारें जानती हैं कि मोसाद किस तरह आधुनिक तकनीकी का इस्तेमाल करता है। हाल ही में हमास के चीफ इस्माइल हानिया की ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या हुई थी।

तेहरान से 15 सौ किमी दूर इजरायल के एक अनजान ठिकाने से आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और सेटेलाइट इमेज के जरिए मोसाद ने इस हत्या को अंजाम दिया था।इजरायल किसी भी तरह हमास के खात्मे में लगा है और इसके लिए अपनी हर हरकत को जायज ठहराता है। गजा में जो नरसंहार उसने किया है, वो अकल्पनीय है। अफसोस की बात यह है कि विश्व समुदाय इस अमानवीयता को चुपचाप देख रहा है। वैश्विक पटल पर कोई ऐसा नेता नहीं दिख रहा जो क्षुद्र स्वार्थ से ऊपर उठकर केवल इंसानियत और शांति की बात करे। नोबेल शांति पुरस्कार के आकांक्षी घर से लेकर बाहर तक बहुतेरे हैं.

लेकिन उसके लिए कोई प्रयास करता नहीं दिख रहा। इजरायल के ही पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल किस तरह राजनैतिक विरोधियों या सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वालों पर किया गया, यह सब जानते हैं। पेगासस तो मोबाइल को हैक करता है, अब इजरायल ही शायद खुलासा करेगा कि पेजर को हैक कैसे किया गया। गंभीर सवाल यह है कि अगर यह तकनीक दूसरे आतंकी समूहों के हाथ भी लग गई, तब क्या विनाश के सिलसिले को रोकना संभव हो सकेगा।

बुढ़ापे का स्वास्थ्य सुरक्षा कवच बनाने की सराहनीय पहल

केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान भारत योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है, जो सुखद एवं स्वागतयोग्य कदम है। अपने देश के करीब साढ़े चार करोड़ परिवार के छह करोड़ बुजुर्ग इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस सार्वभौमिक स्वास्थ्य योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। इस योजना से हम एक ऐसी दुनिया बना सकेंगे जहाँ हर बुजुर्ग अपने बुढ़ापे को गरिमा, आत्मसम्मान, सुरक्षा और स्वस्थता के साथ जी सकेंगे। इसके लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी जनकल्याणकारी सरकार को साधुवाद दिया जाना चाहिए। पारिवारिक एवं सामाजिक घोर उपेक्षा एवं उदासीनता के कारण बुढ़ापा अपने आप में एक रोग ही बनता गया है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने इस स्थिति को नियंत्रण से बाहर कर दिया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार की नयी पहल का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन हुआ तो यह फैसला इस आयुवर्ग के बुजुर्गों की सेहत को लेकर सुरक्षा कवच का काम करेगा। यह जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही थी क्योंकि आने वाले बीस वर्ष में भारत की बुजुर्ग आबादी तीन गुना होने की संभावना है। नये भारत-विकसित भारत की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण एवं उचित स्वास्थ्य-सेवाओं को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति है कि

वृद्ध अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर तो काला दाग है ही, शासन-व्यवस्थाओं के लिये भी लज्जाजनक है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने एवं उनके स्वास्थ्य विषयक खर्चों एवं चिन्ताओं को दूर करने के लिये केन्द्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को वित्तीय लाभ देने का फैसला लिया है, वह सराहनीय एवं प्रासंगिक निर्णय है। इस फैसले की जरूरत इसलिए थी क्योंकि सामाजिक सुरक्षा के मामले में भारत बहुत पीछे है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे 2019-21 की रिपोर्ट से पता चलता है कि देश में ऐसे परिवारों की संख्या केवल 41 प्रतिशत है, जिनके कम से कम एक सदस्य का स्वास्थ्य बीमा हो। बिहार, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों में तो यह राष्ट्रीय औसत के करीब आधे के बराबर है। स्वास्थ्य बीमा को लेकर यह उदासीन रवैया हमारी उस आदत की वजह से है, जिसमें ज्यादातर लोग यह सोचते हैं कि जब बीमारी आएगी तो देखा जाएगा। बहुत से लोग जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को एक ही चीज समझ लेते हैं। लेकिन, जब बीमारी सिर पर आती है, तो पूरे घर के बजट को तहस-नहस एवं असंतुलित कर देती है। सरकार का मौजूदा कदम कई परिवारों को ऐसे आर्थिक दुष्चक्र में फंसने से बचा सकता है। भारत में इलाज दिनों-दिन महंगा होता जा रहा है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग सोचते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उसने वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू किया है। इन योजनाओं को लागू करने की जरूरत इसलिये सामने आयी है कि वृद्धों को आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा, बंधन माना जाने लगा है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते पारिवारिक-सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अब जब स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाया गया है तो यह उम्मीद की जानी चाहिए कि खर्च को लेकर परिजनों का डर कम होगा।

भारत के मार्च 2026 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के संकेत

भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.93 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जबकि, जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है एवं जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.59 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। भारत की आर्थिक विकास दर लगभग 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष बनी हुई है और जापान एवं जर्मनी की आर्थिक विकास दर लगभग स्थिर है अथवा इसके ऋणात्मक रहने की भी प्रबल सम्भावना है। इस दृष्टि से मार्च 2025 तक भारत जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़कर विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं मार्च 2026 तक भारत जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हाल ही के समय में जर्मनी एवं जापान की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की समस्याएं दृष्टिगोचर हैं, जिनके कारण इन दोनों देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले वर्षों में विपरीत रूप से प्रभावित रह सकती है। द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात लगातार 4 दशकों तक जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन में तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहा। इस दौरान विनिर्माण इकाईयों के बल पर जर्मनी ने अपने आप को विश्व में विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर लिया था एवं विभिन्न उत्पादों, विशेष रूप से कार, मशीनरी एवं केमिकल उत्पादों का निर्यात पूरे विश्व को भारी मात्रा में किया जाने लगा था। पिछले 20 वर्षों के दौरान जर्मनी पूरे यूरोपीयन यूनियन के विकास का इंजिन बना हुआ था। चूंकि चीन की अर्थव्यवस्था बहुत तेजी से विकास कर रही थी अतः पिछले 20 वर्षों के दौरान चीन, जर्मनी से लगातार मशीनरी, कार एवं केमिकल पदार्थों का भारी मात्रा में आयात करता रहा है। परंतु, अब परिस्थितियां बदल रही हैं क्योंकि चीन की अर्थव्यवस्था भी हिचकोले खाने लगी है और चीन ने विभिन्न उत्पादों का जर्मनी से आयात कम कर दिया है। अतः अब जर्मनी अर्थव्यवस्था पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। आज बदली हुई परिस्थितियों में चीन, जर्मनी में निर्मित विभिन्न उत्पादों का आयात करने के स्थान पर वह जर्मनी का प्रतिस्पर्धी बन गया है और इन्हीं उत्पादों का निर्यात करने लगा है। दूसरे, पिछले लगभग 2 वर्षों से रूस ने भी ऊर्जा की आपूर्ति यूरोप के देशों को रोक दी है, रूस द्वारा निर्यात की जाने वाली इस ऊर्जा का जर्मनी ही सबसे अधिक लाभ उठाता रहा है। तीसरे, जर्मनी में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और एक अनुमान के अनुसार जर्मनी में आगे आने वाले एक वर्ष से कार्यकारी जनसंख्या में प्रतिवर्ष एक प्रतिशत की कमी आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे उपभोक्ता खर्च पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। चौथे, जर्मनी में नागरिकों की उत्पादकता भी कम हो रही है। जर्मनी में प्रत्येक नागरिक वर्ष भर में केवल 1300 घंटे का कार्य करता है जबकि डएउऊदेशों में यह औसत 1700 घंटे का है। पांचवे, यूरोपीयन यूनियन में वर्ष 2035 में पेट्रोल एवं डीजल पर चलने वाले चार पहिया वाहनों के उत्पादन पर रोक लगाई जा सकती है जबकि इन कारों का निर्माण ही जर्मनी में अधिक मात्रा में होता है तथा जर्मनी की कार निमार्ता कम्पनियों ने बिजली पर चलने वाले वाहनों के निर्माण पर अभी बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया है। साथ ही, जर्मनी ने नवाचार पर भी कम ध्यान दिया है एवं स्टार्ट अप विकसित करने में बहुत पीछे रहा है आज इन क्षेत्रों में अमेरिका एवं चीन बहुत आगे निकल गए हैं एवं जर्मनी आज अपने आप को असहाय सा महसूस कर रहा है। अतः जर्मनी अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव आगे आने वाले लम्बे समय तक चलने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है वैश्वीकरण की प्रक्रिया का प्रभाव भी जर्मनी अर्थव्यवस्था पर पड़ा है एवं अब पूरे विश्व में गैरवैश्वीकरण की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है। आज प्रत्येक विकसित एवं विकासशील देश अपने पैरों पर खड़ा होकर स्वावलंबी बनना चाहता है। अतः जर्मनी जैसे देशों से मशीनरी एवं कारों का निर्यात कम हो रहा है साथ ही इन उत्पादों की तकनीकि भी लगातार बदल रही है जिसे जर्मनी की विनिर्माण इकाईयां उपलब्ध कराने में असफल सिद्ध हुई हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान जर्मनी अर्थव्यवस्था में विकास दर हासिल नहीं की जा सकी है। जर्मनी में सितम्बर 2023 माह में वोक्सवेगन (श्ङ्ग''२६ौल्ल) कम्पनी ने अपनी दो विनिर्माण इकाईयों को बंद करने का निर्णय लिया है। यह कम्पनी जर्मनी में 3 लाख से अधिक रोजगार के प्रत्यक्ष अवसर उपलब्ध कराती है तथा अन्य लाखों नागरिकों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराती हैं। इस कम्पनी ने जर्मनी में अपनी विनिर्माण इकाईयों में उत्पादन कार्य को काफी हद्द तक कम कर दिया है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से इस कम्पनी के उत्पादों की बिक्री लगातार कम हो रही है। पिछले 5 वर्षों के दौरान इस कम्पनी की बाजार कीमत आधे से भी कम रह गई है। इस कम्पनी की उत्पादन इकाईयों में चार पहिया वाहनों का निर्माण किया जाता रहा है परंतु अब इन उत्पादन इकाईयों में बिजली पर चलने वाली कारों के निर्माण में बहुत परेशानी आ रही है। बिजली पर चलने वाली कारों का जर्मनी में उत्पादन बढ़ाने के स्थान पर चीन से इन कारों का बहुत भारी मात्रा में आयात किया जा रहा है। अपनी आर्थिक परेशानियों को ध्यान में रखते हुए जर्मनी ने यूक्रेन को टैंकों की आपूर्ति भी रोक दी है। दरअसल कोरोना महामारी के बाद से ही, वर्ष 2020 के बाद से, जर्मनी की अर्थव्यवस्था अभी तक सही तरीके से पूरे तौर पर उबर ही नहीं सकी है। एक अनुमान के अनुसार जर्मनी अर्थव्यवस्था का आकार वर्ष 2024 में भी कम होने जा रहा है, यह वर्ष 2023 में भी कम हुआ था और इसके वर्ष 2025 में भी सुधरने की सम्भावना कम ही दिखाई दे रही है। जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2024 के दौरान 0.1 प्रतिशत की कमी की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। बेरोजगारी की दर भी 6.1 प्रतिशत के स्तर तक ऊपर जा सकती है। जर्मनी अर्थव्यवस्था केवल चक्रीय ही नहीं बल्कि संरचनात्मक क्षेत्र में भी समस्याओं का सामना कर रही है। इसमें सुधार की कोई सम्भावना आने वाले समय में नहीं दिख रही है। हालांकि यूरोपीयन यूनियन में जर्मनी की अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है परंतु फिर भी भारत, उक्त कारणों के चलते, जर्मनी की अर्थव्यवस्था को मार्च 2026 तक पीछे छोड़ देगा, ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इसी प्रकार, पिछले लगभग 30 वर्षों के दौरान जापान की अर्थव्यवस्था में मुद्रा स्फीति, ब्याज दरें एवं येन की कीमत स्थिर रही है। परंतु, हाल ही के समय में येन का अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवमूल्यन हो रहा है एवं यह 160 येन प्रति अमेरिकी डॉलर के स्तर पर आ गया है, जो वर्ष 2009 के बाद से कभी नहीं रहा है। जापान की अर्थव्यवस्था कई उत्पादों के आयात पर निर्भर करती है। जापान अपनी ऊर्जा की आवश्यकताओं का 90 प्रतिशत एवं खाद्य सामग्री का 60 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है। जापान द्वारा आयात की जाने वाली वस्तुओं की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढ़ने से जापान में भी आयातित मुद्रा स्फीति की दर बढ़ रही है जो पिछले एक दशक के दौरान लगातार स्थिर रही है। वर्ष 1955 से वर्ष 1990 के बीच जापान की अर्थव्यवस्था औसत 6.8 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से आगे बढ़ती रही। वर्ष 1990 तक जापान का स्टॉक मार्केट लगातार बढ़ता रहा एवं अचानक वर्ष 1990 में यह बुलबुला फट पढ़ा और जापान में आवासीय मकानों की कीमत 50 प्रतिशत तक गिर गई एवं व्यावसायिक मकानों की कीमत 85 प्रतिशत तक गिर गई। जापान के पूंजी बाजार में निक्के स्टॉक सूचकांक भी 75 प्रतिशत तक गिर गया।

तिरुपति मंदिर में चढ़ने वाला चर्बी से तैयार प्रसाद घिनौना कृत्य : रविंद्र पुरी

प्रयागराज।

तीर्थराज प्रयाग के साधु-संतों ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में प्रसाद के रूप में भगवान को प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किये जाने वाला प्रसाद लड्डू जानवरों की चर्बी और मछली के तेल से बने होने की घटना पर रोष व्यक्त करते हुए इसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने घिनौना कृत्य बताया है।आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में चढ़ने वाले लड्डू प्रसाद में मछली के तेल और जानवरों की चर्बी मि?लना धार्मिक रूप से घिनौना और घृणित कृत्य है।इस तरह के बर्ताव को अब साधु संत कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। यह कोई साधारण घटना नहीं हैं बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने वाली है। इसकी जांच होनी चाहिए और दोषी को कड़े से कड़ा दंड मिलना चाहिए।साधु संतों की सबसे बड़ी संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद और हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्र पुरी ने आंध्र प्रदेश के तिरूपति मंदिर के लड्डू में जानवर की चर्बी और मछली का तेल की घटना का खुलासा करने के लिए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का स्वागत करते हुए इसे प्रशंसनीय बताया है। उन्होंने बताया कि यदि इस घटना का रहस्योद्घाटन नहीं किया जाता तो पता नहीं यह घृणित कार्य कब तक चलता रहता।श्रीमहंत ने कहा कि तिरूपति बाला जी दुनिया सबसे बड़ा धार्मिक स्थल है। यहां पूरी दुनिया से श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं और अपने आराध्य को प्रसाद के रूप में लड्डू अर्पित करते हैं। चबीर्युक्त और फिश आयल युक्त लड्डू तैयार करना संकीर्ण मानसिकता का प्रतीक है। यह एक विडंबना है कि लोग भगवान के लिए भोग के रूप में श्रद्धालुओं द्वारा तिरूपति भगवान को अर्पित किए जाने वाले प्रसाद में मिलावट से नहीं डर रहे हैं।उन्होने बताया कि लड्डू में जानवरों की चर्बी और मछली का तेल के जांच की पुष्टि भी हो गयी। यह घृणित कार्य कब से चल रहा है, इसके पीछे कौन-कौन से लोग है, इसकी सीबीआई जांच हो और दोषी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोषियों को खुले चौराहे पर ऐसी सजा दी जाए जिसे लोग देखें और ऐसा घिनौना कार्य करने से डरें।सगरा आश्रम (बाबूगंज) के पीठाधीश्वर स्वामी मौनी महाराज ने कहा, इस प्रकार की गतिविधियां हमारे आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। इसे धर्म को भ्रष्ट करने की साजिश कहा जा सकता है।ह्यये लड्डू राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान भी अयोध्या आया था और इस तरह की घटना से सभी भक्तों की भावनाएं आहत हुई हैं। ऐसे कृत्य के लिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

टीबी मरीजों को गोद लेंगे योगी सरकार के अधिकारी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी तपेदिक रोग से ग्रसित 125 मरीजों को गोद लेंगे।वह एसजीपीजीआई में शनिवार को स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में टीबी मरीजों को गोद लेने के साथ सभी मरीजों को निःक्षय पोटली वितरित करेंगे। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, चिकित्सा एवं परिवार कल्याण पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि सामुदायिक सहभागिता, जागरूकता में वृद्धि और टीबी कार्यक्रम को जनांदोलन बनाने की प्राथमिकता के साथ प्रदेश को टीबी मुक्त करने के लिए सूबे की सरकार के प्रयास जारी हैं। सरकार और अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों और प्रयासों के फलस्वरूप, टीबी मुक्त प्रदेश का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अन्य महत्वपूर्ण योजनाएं जैसे निःक्षय मित्र के साथ-साथ निःक्षय पोषण योजना सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। निःक्षय पोषण योजना के अंतर्गत, टीबी मरीजों को हर माह पोषण सहायता राशि के रूप में 500 रुपए सीधे उनके खाते में भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रदेश में 39,151 निक्षय मित्रों के माध्यम से लगभग 3,30,985 टीबी रोगियों की मदद की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया-इज़राइल-भारत मिलकर लाएंगे 'आम-क्रांति'

लखनऊ, एजेंसी।

देश और विदेश के नामचीन वैज्ञानिक 21 सितम्बर को फलों के राजा आम की खासियत बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आईसीएआर (भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान) से संबद्ध सीआईएसएच (केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान) रहमानखेड़ा 21 सितंबर को करेगा। गोष्ठी का विषय आम की उपज और गुणवत्ता में सुधार की रणनीतियों और शोध प्राथमिकताएं होगा। केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक टी. दामोदरन के अनुसार आम दुनिया के उष्ण और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों और विशेष रूप से एशिया के प्रमुख फलों में से एक है। भारत आम का सबसे बड़ा उत्पादक है। दुनिया के 58.3 मिलियन मीट्रिक टन आम उत्पादन में से लगभग 24.7 मिलियन मीट्रिक टन की हिस्सेदारी भारत की ही है। भारत, दुनिया को ताजे आमों का एक प्रमुख निर्यातक भी है। भारत ने वर्ष 2022-23 के दौरान 48.53 मिलियन डॉलर मूल्य के 22963.76 मीट्रिक टन ताजे आमों का निर्यात किया है।

योगी सरकार की पहल से इस साल पहली बार अमेरिका को आम का निर्यात हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लगातार प्रयास है कि उत्तर प्रदेश का आम और खास बने। यूपी की आम प्रजातियों को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार बड़े पैमाने पर हर साल आम महोत्सव का भी आयोजन करती है। आम के नए बाग लगाने और पुराने बागों के जीर्णोद्धार पर सरकार प्रति हेक्टेयर की दर से एक तय अनुदान भी देती है। जीर्णोद्धार (कैनोपी प्रबंधन) में आने वाली अड़चनों को दूर करने के लिए सरकार कुछ महीने पहले शासनादेश भी जारी कर चुकी है।

देश में उत्तर प्रदेश एक प्रमुख आम उत्पादक राज्य है। देश के कुल उत्पादन का लगभग 23.6 प्रतिशत आम यूपी में होता है। इसके बाद आंध्र प्रदेश (22.99 प्रतिशत) का स्थान है। भारत में आम की विविधता बहुत अधिक है। भारत में आम की लगभग 1000 किस्में हैं। हालांकि इनमें से लगभग 20 किस्में ही व्यापार और निर्यात व्यवसाय में प्रमुखता रखती हैं। भारतीय आम की किस्मों में स्वाद, सुगंध, खाने की गुणवत्ता, रूप और अन्य जैव सक्रिय यौगिकों में बहुत अधिक विविधता होती है।

आम लाखों किसानों, बागवानों के लिए आजीविका का स्रोत है। पर भारत मे आम की औ सत राष्ट्रीय उत्पादकता, दुनिया की औसत आम उत्पादकता की तुलना में काफी कम है। इसकी कई वजहें हैं। मसलन झुलसा रोग, एन्थ्रेक्नोज, फल मक्खी, थ्रिप्स, हॉपर आदि का प्रकोप, अत्यधिक तापमान, अनियमित वर्षा, पाला, लवणीय और क्षारीय मिट्टी आदि। अनियमित और अप्रत्याशित मौसमी घटनाएं भी आम के वानस्पतिक विकास, फूल और फल लगने, फलों की वृद्धि, फलों की गुणवत्ता और उपज को प्रभावित करती हैं। उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री की अनुपलब्धता, प्रशिक्षण और छंटाई प्रथाओं की कमी, उच्च घनत्व वाले बागों की कमी, दोषपूर्ण बाग प्रबंधन, शारीरिक विकार, पारंपरिक आम की किस्मों का विलुप्त होना जैसी अन्य समस्याएं भी भारतीय आम उत्पादकता के लिए खतरा पैदा कर रही हैं।भारत में विभिन्न संस्थानों द्वारा आम की 70 से अधिक संकर या उन्नत किस्में जारी की गई हैं। इनमें से केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान से सीआईएसएच-अंबिका, सीआईएसएच-अरुणिका, अवध समृद्धि और अवध मधुरिमा नाम की प्रजातियां विकसित की गई हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पूसा, नई दिल्ली ने पूसा अरुणिमा, पूसा सूर्या, पूसा प्रतिभा, पूसा श्रेष्ठ, पूसा पीताम्बर, पूसा लालिमा, पूसा दीपशिखा, पूसा मनोहारी प्रजाति का विकास किया है।

खास खबर

सर्व फार ह्यूमेनिटी की संस्थापिका गुरप्रीत कौर को मिलेगा अयोध्या में सम्मान

फतेहपुर। सर्व फार ह्यूमेनिटी संस्था की संस्थापिका गुरप्रीत कौर को श्री राम कृष्ण सेवा फाउंडेशन अयोध्या द्वारा 22 सितम्बर 2024 रविवार को समान्नित किया जाएगा, संस्था सर्व फॉर ह्यूमैनिटी जो कि जिले के अलावा कई राज्यो व उत्तर प्रदेश के जिलों में रक्तदान की सेवा , रक्तदान जागरूकता, जरूरतमंद को समय से दुर्लभ रक्त समूह उपलब्ध करवाना व शिक्षा के क्षेत्र में सेवा कार्य कर रही है, जिसके लिए संस्था की संस्थापिका को अयोध्या में राष्ट्रीय सेवा रत्न सम्मान समारोह 2024 से सम्मानित किया जाएगा ।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत, चालक युवक की हालत गम्भीर

बकेवर/फतेहपुर। थाना क्षेत्र के तेज रफ्तार से जा रही ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में एक महिला की दर्दनाक मौत हो गयी। वही बाइक चालक गंभीर रूप से घायल है। चौडगरा की ओर से जा रही डीसीएम ने जहानाबाद जा रहे मोटरसाइकिल सवार को कंशमीरीपुर बम्बी के पास पीछे से टक्कर मारी। पीछे बैठी महिला विनोद पासवान की पत्नी सविता निवासी महमूदपुर की मौत हो गई और चालक श्री किशन पुत्र हसनू निवासी महमूदपुर थाना बिंदकी घायल हो गया। राहगीरों ने पुलिस की सूचना पर पहुंचकर पिकप से दोनों को सीएचसी जहानाबाद भेज दिया। जहां पर महिला को मृत घोषित कर दिया और घायल को कानपुर रेफर कर दिया। महिला के एक पुत्र अभिनव 12 वर्ष पुत्री तनिष्का 10 वर्ष की है पति विनोद कमाने के लिए सूरत गया था।

भाई-बहन में डिप्थीरिया के लक्षण, जिला अस्पताल में भर्ती

बांदा। मौसम के उतार चढ़ाव के चलते बुखार के साथ अब डिप्थीरिया भी लोगों को चपेट में ले रहा है। गुरुवार को झील का पुरवा निवासी भाई-बहन में डिप्थीरिया के लक्षण मिले हैं। इनको जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। उधर, बुखार से ग्रसित 12 और मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।ओपीडी में बृहस्पतिवार को जुकाम, खांसी और बुखार के मरीजों की लाइन लगी रही। शहर के झील का पुरवा देव नगर निवासी अयांश (6) और छोटी बहन अक्षरा (4) को डिप्थीरिया के लक्षण के चलते जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया।

भारतीय परंपरा को अक्षुण्ण बनाये रखने में गुरुकलों का योगदान अहम

अयोध्या।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय सभ्यता में ज्ञान, परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने में सदैव गुरुकुलों एवं विश्वविद्यालय का योगदान रहा है।डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित करते हुए श्रीमती पटेल ने कहा कि भारतीय सभ्यता में ज्ञान, परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने में सदैव गुरुकुलों एवं विश्वविद्यालयों का योगदान रहा है। समाज के निर्माण एवं संवर्धन में विश्वविद्यालयों ने सदैव अग्रणी भूमिका निभायी है। सांस्कृतिक ज्ञान एवं परम्परा के संरक्षक एवं विभिन्न कालों में नवीन परम्पराओं के संवाहक एवं नवोन्मेष शोध केन्द्र के रूप में यह समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

कुलाधिपति ने कहा कि स्वर्ण पदक छात्र-छात्राओं से कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिदिन छात्राएं आगे बढ़ रही हैं। इनमें छात्राओं की संख्या काफी है। समाज के सर्वांगीण विकास एवं सशक्त बनाने में इनकी भूमिका बढ़ जाती है। भारत युवा देश है। हमारी 55 प्रतिशत से अधिक आबादी 30 वर्ष से कम उम्र की है। भारतवर्ष की अर्थव्यवस्था विश्व में पांचवें स्थान पर है। वर्ष 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसलिए हम सभी के पास स्वर्णिम अपार संभावनाएं हैं। भारत का समृद्ध गौरवशाली इतिहास सदैव गौरवान्वित करता रहता है। समारोह में राज्यपाल ने कहा कि भारत एक समृद्ध विरासत का राष्ट्र है और इसका ध्वज वाहक आपको बनना है। लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आगे कठिन परिश्रम करें। इससे युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। प्रदेश के विकास में अपनी भूमिका निभाने के लिये कार्य करें। अयोध्या अपनी पुरातन संस्कृति के साथ सज-धज रही है।

हमीरपुर में मेडिकल कालेज के बजाय बनेगा 200 शैय्या अस्पताल

हमीरपुर।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में कुरारा ब्लाक के रिठौराडांडा गांव में स्थापित होने वाला मेडिकल कालेज के स्थान पर सरकार ने 200 शैय्या वाला अस्पताल खोलने का फैसला किया है।इसके लिये मेडिकल कालेज की भूमि भी अस्पताल के नाम स्थानांतरित हो गयी है। अस्पताल के लिये लोक निर्माण विभाग बांदा ने 21 करोड़ रुपये का आगणन बनाकर शासन को भेज दिया है।मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) डा.गीतम सिंह ने शुक्रवार को बताया कि कई सालों से उम्मीद लगाये बैठे जनपद वासियों को मेडिकल कालेज खोले जाने पर फिलहाल निराशा हाथ आयी है। पीपीपी माडल पर खुलने वाला मेडिकल कालेज के लिये कोई पूंजी निवेश करने को तैयार नही हो रहा है, यही कारण है कि मेडिकल कालेज के लिये खोले जाने वाले टेंडर पर किसी की सहभागिता सामने नही आयी है लिहाजा हार थक कर शासन ने 200 शैय्या का अस्पताल खोलने का फैसला किया है।हालांकि अस्पताल के स्थान पर ट्रामा सेंटर भी स्थापित हो सकता था मगर मेडिकल कालेज की भूमि ग्राम पंचायत की भूमि थी वह भी मुख्य सड़क से पांच किलोमीटर अन्दर थी इसलिये ट्रामा सेंटर के मानक में नही आ पा रहा था। डाक्टरो का तर्क है कि मेडिकल कालेज कम से कम तीन सौ करोड की लागत से स्थापित होना था। इतने बजट में सड़क के किनारे जमीन खरीद कर कालेज की स्थापना की सकती थी। इसके लिये कई कार्यदायी संस्थाओ ने मन भी बना लिया था मगर इस मामले में किसी ने गंभीरता से विचार नही किया अन्यथा मेडिकल कालेज की स्थापना हो सकती थी।डिप्टी सीएमओ डा. संजय कुमार का कहना है कि मेडिकल कालेज के लिये कम से कम तीन सौ बेड वाला अस्पताल होना चाहिये। हो सकता है कि निकट भविष्य में रिठौरा डाडा का अस्पताल व जिला अस्पताल के बेड जोडकर शासन मेडिकल कालेज के लिये फिर से विचार कर ले।सीएमओ ने बताया कि शासन के आदेश से लोनिवि बांदा ने अस्पताल का इस्टीमेट बनाकर भेज दियाहै।

नरायन ऑटोमोबाइल्स बाराबंकी शोरूम पर महिंद्रा थार रॉक्स लांच

सत्य नारायण गुप्ता, संवाददाता।

बाराबंकी। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अधिकृत डीलर नरायन ऑटोमोबाइल्स पल्हरी कृषि फॉर्म के सामने स्थित शोरूम पर गुरुवार को महिंद्रा थार रॉक्स लांच की गई।

भाजपा उपाध्यक्ष पवन सिंह ने शोरूम मे दीप जलाकर थार रॉक्स को किया लांच।

मुख्य अतिथि के रुप मे पहुंचे पवन सिंह (रिंकू) के द्वारा शोरूम पर थार रॉक्स को विधि विधान से दीप प्रज्वलित करके लांच किया गया महिंद्रा थार रॉक्स की शुरूआती कीमत 12.99 लाख रुपए रखी गई है। इस दौरान कंपनी के अपकंट्री मैनेजर अनूप शुक्ला, शाखा प्रबंधक विनय वर्मा, सेल्स टीम शशिकांत सिंह, मयंक सिंह, अन्य साथी मनोज तिवारी, रंजीत,लाल जी, विनोद सिंह,सौरभ,अनुराग यादव, स्नाद मिश्रा,अविनाश,दिलीप, धर्मराज,

अब घने अंधेरे में भी नजर आएंगे आवारा पशु

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने सड़कों पर आवारा मवेशियों के कारण हो रहे हादसों से निपटने के लिए एक अनूठी पहल शुरू की है। अब सड़कों पर घूमते हुए मवेशियों को रात के समय भी आसानी से देखा जा सकेगा, क्योंकि उनके सींग और गर्दन पर रिफ्लेक्टर लगाए जाएंगे। जिन पशुओं के सींग नहीं हैं, उनकी गर्दन पर रिफ्लेक्टर लगाए जाएंगे, ताकि अंधेरे में वाहन चालकों को ये पशु स्पष्ट नजर आएं और दुर्घटनाओं से बचा जा सके। जाएंगी, जिससे अंधेरे में वाहन चालकों को जानवर आसानी से दिखाई देंगे और हादसों की संख्या में कमी आएगी।

उत्तर प्रदेश में आवारा मवेशियों की समस्या लंबे समय से चिंता का विषय रही है। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, पांच साल पहले राज्य में लगभग 1.18 मिलियन आवारा मवेशी थे। इन मवेशियों में ज्यादातर बैल इतने बूढ़े हो चुके थे कि उनका खेती में कोई उपयोग नहीं हो सकता था, वहीं गाय और भैंसें भी प्रजनन की उम्र पार कर चुकी थीं। उत्तर प्रदेश सरकार ने गोवंश के वध पर प्रतिबंध लगा रखा है, जिसके चलते मवेशियों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। जब ये आवारा पशु सड़कों पर घूमते हैं, तो यह सड़क हादसों की बड़ी वजह बनते हैं। ऐसे में सरकार का यह कदम इन दुर्घटनाओं को रोकने में मददगार साबित हो सकता है। राज्य के पशुपालन विभाग ने इस योजना को लागू करने के लिए एक निजी फर्म को ठेका दिया है, जो छोटे शहरों में 10,000 और बड़े शहरों में 15,000 से 20,000 मवेशियों पर रिफ्लेक्टर पट्टियां लगाएगी।

पेज 1 का शेष

गोरखनाथ मंदिर में आईं पुंगनूर गाय.....

अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। वह जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है पर शुक्रवार का दिन गोसेवा के दृष्टिकोण से विशेष था जिसका कारण मंदिर की गोशाला में आंध्र प्रदेश के पुंगनूर नस्ल की देसी गोवंश की एक नन्ही जोड़ी ;बछिया.बछड़ा. का भी यहां आगमन हो चुका है।मुख्यमंत्री ने पुंगनूर नस्ल की इस जोड़ी को खूब दुलार किया।

दोनों के माथे पर हाथ फेरते हुए, गर्दन सहलाते हुए उन्होंने यह कहकर स्नेह दिया, ..अरे रे रे.. तुम्हें माई की याद आ रही है ना । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुछ देर तक उन्हें भावुक होकर दुलारते रहे और फिर अपने हाथों से उन्हें खुद खिलाया।इसके अतिरिक्त उन्होंने मंदिर की गोशाला में अन्य गोवंश के साथ भी समय व्यतीत किया। गोशाला में योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते.मचलते हुए उनके पास आ गए।योगी ने सभी के माथे पर हाथ फेराए उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

हिंदू धर्म रहेगा हमेशा.....

प्रदेश सरकार ने यह कहा कि जिस भी स्थान से उन्हें 50 लाख रुपए या 50 लाख रुपए की सम्पत्ति प्राप्त होगी, वहीं पर विश्वविद्यालय का निर्माण किया जाएगा। उस समय महंत दिग्विजय नाथ जी ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए व्यवस्था करने की बात की। वर्ष 1947 व वर्ष 1948 में 50 लाख रुपए का मतलब, आज के 500 करोड़ रुपए से अधिक की सम्पत्ति है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उस समय गोरखपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना का कार्य आगे बढ़ा। आज गोरखपुर विश्वविद्यालय पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। आज भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद चार दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी संस्थाओं का संचालन कर रहा है। उस समय महंत दिग्विजय नाथ जी ने गोरखपुर में बालिकाओं की शिक्षा के लिए महिला डिग्री कालेज एवं महाराणा प्रताप बालिका विद्यालय की स्थापना की थी।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि तकनीकी शिक्षा के लिए वर्ष 1956 में महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक एवं ट्रेडीशनल मेडिसिन के लिए वर्ष 1960 के दशक के प्रारम्भ में आयुर्वेद कॉलेज की स्थापना की गयी थी। यह सभी प्रकल्प एक साथ संचालित किये जा रहे थे। बाद में इन्हें पूज्य गुरुदेव महंत अवैद्यनाथ जी ने आगे बढ़ाने का कार्य किया। समाज की विकृति को दूर करने, लंबे समय तक समाज को सुरक्षित रखने, सनातन धर्म की रक्षा करने एवं भारत की एकता और एकात्मकता को बनाए रखने में हम कैसे सफल हो सकते हैं, इसके लिए भी उनके द्वारा जन जागरण के कार्यक्रम संचालित किए जाते रहे।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूज्य महंत दिग्विजय नाथ और पूज्य महंत अवैद्यनाथ ने अछूतोद्धार एवं अस्पृश्यता उन्मूलन के लिए आवाज उठाने का कार्य किया था। उन्होंने उस समय की सरकार एवं समाज की रूढ़िगत मान्यताओं की परवाह नहीं की। वह बिना रुके, बिना डिगे, बिना झुके तथा बिना किसी की परवाह किए कार्य करते रहे।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हर काम देश तथा सनातन धर्म के नाम होना चाहिए। गोरक्षपीठ इन पूज्य आचार्यों के नेतृत्व में नाम के लिए कार्य नहीं करता है। इन पूज्य संतों की साधना एवं संकल्प की ही परिणति है कि 05 सदी के इंतजार के बाद अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीरामलला के भव्य मंदिर निर्माण के साथ ही भगवान श्रीरामलला विराजमान हुए हैं।मुख्यमंत्री जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद एवं पूज्य संतों द्वारा श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन को नई दिशा प्रदान करने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संत जब भी कोई संकल्प लेते हैं, तो उस संकल्प को पूर्ण होना ही होता है। वह संकल्प अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के विराजमान होने से पूर्ण हुआ है। आज सम्पूर्ण अयोध्याधाम जगमगा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज सनातन धर्म मजबूत हो रहा है। यह अपनी ताकत का एहसास करा रहा है। यह किसी के उत्पीड़न के लिए ना होकर, लोक कल्याण एवं मानवता के कल्याण के लिए है। सनातन धर्म में किसी भी कथा वाचन के समय यह नहीं कहा जाता कि हमारी एकता दूसरों के उत्पीड़न के लिए हो, बल्कि हमेशा यही कहा जाता है कि धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, और विश्व का कल्याण हो। हिंदू धर्म में जय हो का उद्घोष इसलिए नहीं किया गया है कि वह किसी का उत्पीड़न करें, बल्कि हिंदू धर्म में जय हो इसलिए कहा गया है कि सनातन धर्म विश्व मानवता का कल्याण करें। सनातन धर्म इस सम्पूर्ण चराचर जगत के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है। यही हमारी महानता है।सनातन धर्म अनेक आक्रांताओं के द्वारा उत्पन्न सम-विषम परिस्थितियों का सामना करते हुए आज भी जीवित है। आगे भी अपनी इस जीवंतता को बनाए रखेगा, इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए। बीच-बीच में विभिन्न प्रकार की आपदाएं आती रहेंगी, परंतु इन आपदाओं का सामना कर फिर से उठ खड़े होकर चलने की सामर्थ्य विश्व में केवल भारत के सनातन हिंदू धर्म में है।मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत ने प्राकृतिक आपदाओं को तो झेला ही है, साथ ही जो आक्रांता निर्ममता के साथ यहां आए, उन्हें सद्भावना के साथ विदा भी किया है। आज भारत स्वतंत्र है। भारत की यही महानता है कि हम विपरीत परिस्थितियों का सामना करने की सामर्थ्य रखते हैं। इसका एक उदाहरण इस सदी की सबसे बड़ी महामारी कोरोना के दौरान देख सकते हैं। महामारी के दौरान जो भी मानवीय क्षति हुई, उनके प्रति हमारी सहानुभूति होनी चाहिए । मुख्यमंत्री जी ने कहा कि दुनिया अभी तक कोरोना महामारी के दुष्प्रभाव से उबर नहीं पाई है। लेकिन भारत तेजी के साथ दौड़ रहा है। जब दुनिया इस महामारी से पूरी तरह पस्त थी, उस समय भारतीय ग्रामीण समाज इससे पूरी तरह से अछूता रहा। क्योंकि हमारा रहन-सहन, खान-पान, धार्मिक पद्धति, पूजा पद्धति एवं हमारे समाज के नियम एवं संयम से रहने की व्यवस्था हम सभी को किसी भी सम-विषम परिस्थिति का सामना करने योग्य बनाती है। यही कारण है कि आज हम पूरी मजबूती और सुरक्षा के साथ अपना जीवन-यापन कर रहे हैं। देश में नक्सलवाद, आतंकवाद और अलगाववाद जैसे विभिन्न रूपों में आक्रांता आते रहते हैं, लेकिन भारतीय समाज इन्हें भी पूरी तरह विलीन कर देता है।

इटावा सफारी पार्क में शिंबा सुल्तान के लिए दुल्हनिया की तलाश

इटावा।

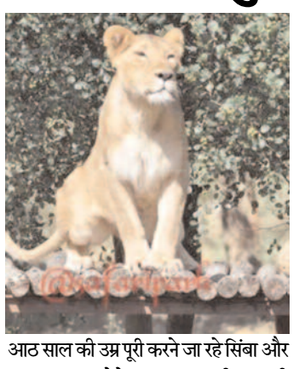

उत्तर प्रदेश के इटावा सफारी पार्क में जन्मे पहले शेर शिंबा और सुल्तान के लिए दुल्हनिया शेरनी की तलाश में सफारी प्रबंधन जुट गया है। पार्क के निदेशक डा.अनिल कुमार पटेल ने शुक्रवार को यूनीवार्ता को बताया कि सफारी प्रबंधन में इस बाबत सेंट्रल जू अथॉरिटी को बाकायदा एक पत्र भी लिखा हुआ है इसके साथ ही जूनागढ़ के शक्करबाग जू से भी संपर्क स्थापित किया हुआ है। उम्मीद की जा रही है कि बहुत ही जल्दी इटावा सफारी पार्क में दो नई शेरनियो का आगमन हो जाएगा, जिनसे सिंबा और सुल्तान की मीटिंग कराई जाएगी। इसके बाद सिंबा और सुल्तान का कुनबा बढ़ना शुरू हो जाएगा।

आठ साल की उम्र पूरी करने जा रहे सिंबा और सुल्तान नामक शेरो का कुनबा अभी बढ़ नही सका है इसलिए दोनो के लिए बेहतरीन किस्म की दो शेरनियों को तलाशा जा रहा है। इटावा सफारी पार्क को मानव निर्मित एशिया का पहला पार्क माना जाता है।पांच अक्तूबर 2016 को इटावा सफारी पार्क में जन्मे दोनो शेरो का नामकरण उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव ने सिंबा और सुल्तान के रूप में 11 दिसंबर 2016 को किया था। मुख्यमंत्री रहने के दौरान अखिलेश यादव ने एक शावक को सुल्तान का नाम दिया है जबकि उनकी पत्नी डिम्पल यादव ने एक शावक को शिम्बा नाम दिया ।

जिसके बाद दोनो शेरो को सफारी में इसी नाम से पुकारा जाने लगा था। सफारी पार्क के दो कुंवारे शेर शिंबा ओर सुल्तान के लिए जंगल में पैदा हुई शेरनियों की तलाश जोर-जोर से चल रही है ताकि दोनों के पंजे पीले कराए जा सके। दोनो 4 साल की उम्र में ब्रीडिंग के लायक बन चुके थे लेकिन सिंबा और सुल्तान को कुनबा बढ़ाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा है। सबसे बड़ी बात यह है कि इटावा सरकारी पार्क में जो जवान शेनरिया है,वह इन दोनों शेरों की रिश्ते में बहन लगती है इसलिए सफारी प्रबंधन दोनों दोनों शेरों के जीन में बदलाव के इरादे से ऐसी शेरनियों को लेकर आना चाहते हैं कि जो जंगल में पैदा हुई हो।

डॉ.कुमार ने कहा कि उनके स्तर पर सेंट्रल जू अथॉरिटी से अनुरोध किया गया है कि उन्हें ऐसी शेरनियो को लाने की अनुमति दी जाए, जिनका जन्म ब्रीडिंग सेंटर या फिर किसी चिड़ियाघर में ना हुआ हो। उजंगल में पैदा हुई शेरनियों के साथ इटावा सफारी पार्क में पैदा हुए शेर प्रजनन से जो शावक पैदा होगे, उनका जीन बाकी शेरों से अलग होगा ।

सुलतानपुर में एक लाख का ईनामी लुटेरा गिरफ्तार

सुलतानपुर।

उत्तर प्रदेश में सुलतानपुर के नगर कोतवाली क्षेत्र में पिछले महीने सरार्फा व्यापारी के यहां हुयी लूट में वांछित एक लाख रुपये के ईनामी बदमाश को पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने शुक्रवार भोर एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश अजय उर्फ डीएम (21) 28 अगस्त को ठठेरी बाजार में सरार्फा व्यवसायी के यहां डकैती की घटना में शामिल था और उसकी गिरफ्तारी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से पुलिस ने चार किलो चांदी के आभूषण के अलावा हथियार एवं गोली बारुद बरामद किये हैं।

उन्होने बताया कि एक सूचना के आधार पर पुलिस ने जयसिंहपुर क्षेत्र में पीढ़ी-बगिया रोड पर नाकाबंदी की और भोर करीब पौने पांच बजे संदिग्ध बाइक सवारों को ललकारा जिस पर बदमाशों ने फायरिंग करते हुये भागने का प्रयास किया। जवाबी गोलीबारी में एक बदमाश बाइक से गिर गया जिसे धर दबोचा गया।

भारत को हिल्सा मछली का निर्यात नहीं करेगा बंगलादेश

ढाका, एजेंसी।

बंगलादेश ने दुर्गा पूजा के अवसर पर विशेष रूप से भारत भेजी जाने वाली स्वादिष्ट हिल्सा मछली के वर्षों पुराने निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया है। वाणिज्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि निर्यात प्रतिबंध का उद्देश्य स्थानीय बाजार में मछली के शौकीन लोगों के बीच सिल्वर डिलाइट - जो बंगलादेश और भारत के कुछ हिस्सों में एक क्रेज है - की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करना है। द डेली स्टार के अनुसार बंगलादेश की छह सप्ताह पुरानी अंतरिम सरकार का रुख शेख हसीना के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती अवामी लीग सरकार से बिल्कुल अलग है, जिसे पिछले महीने छात्रों के नेतृत्व वाले विद्रोह में उखाड़ फेंका गया था ।

खास खबर

बंगलादेश के पूर्व योजना मंत्री गिरफ्तार

ढाका। बंगलादेश के पूर्व योजना मंत्री एवं अवामी लीग के वरिष्ठ नेता एमए मन्नान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डेली स्टार की रिपोर्ट ने शुक्रवार को एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि शेख हसीना सरकार में 2014 से 2024 तक मंत्री रहे श्री मन्नान को सुनामगंज जिले में उनके घर से गिरफ्तार किया गया। सुनामगंज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) एएफएम अनवर हुसैन ने गुरुवार शाम मीडिया से कहा, वह (एमए मन्नान) एक अदालती मामले में आरोपी हैं. उन्होंने कहा, हम कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उन्हें सुनामगंज अदालत में पेश करेंगे। गौरतलब है कि दो सितंबर को मन्नान और 98 अन्य लोगों पर सुनामगंज न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में चार अगस्त को प्रदर्शनकारियों, पुलिस और अवामी लीग कार्यकताओं के बीच हुई झड़प को लेकर आरोप लगाए गए थे।

जेलेंस्की ने 42 कानूनी संस्थाओं के विरुद्ध प्रतिबंध लगाए

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने रूस, चीन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान के नागरिकों सहित 42 कानूनी संस्थाओं और छह व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंध लगाने वाले आदेशों पर हस्ताक्षर किए है।श्री जेलेंस्की की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए आदेशों में कहा गया है 'यूक्रेन की राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के 19 सितंबर, 2024 के निर्णय 'व्यक्तिगत विशेष आर्थिक और अन्य प्रतिबंधात्मक उपायों (प्रतिबंधों) के आवेदन पर' को लागू करने के लिए।'दस्तावेजों के अनुसार प्रतिबंध रूस, चीन, यूएई और ईरान में पंजीकृत परिवहन, विनिर्माण और व्यापार, निर्माण, निवेश और औद्योगिक कंपनियों पर लागू होते हैं। इनमें रूसी जहाज प्रकाश संयंत्र मायाक और कजान स्टेट गनपाउडर प्लांट शामिल हैं। रूस, चीन और ईरान के कई नागरिकों पर भी प्रतिबंध लगाए गए।

सलमान खान को दुबई में देखने के लिए उमड़ी फैंस की भीड़

दुबई। बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान हाल ही में दुबई मॉल में पहुंचे और वहां उनको देखने के लिये उनके फैंस की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।मॉल में इवेंट होने के बावजूद भी कई फैंस ने सलमान खान को देखना पसंद किया, जिससे पता चलता है कि वह कितने पॉपुलर हैं। अपने पसंदीदा अभिनेता को देखने के लिए भीड़ इतनी उत्साहित हो गई कि मॉल सिक्योरिटी को बीच में लाया गया जिसके मदद से सलमान खान वहां से सुरक्षित निकाल पाये।एक फैन ने कहा, यह देखना कमाल है कि उन्हें कितना प्यार और तारीफ मिल रही है।

अंडाशय कैंसर

का पता लगाना कठिन, 4 लक्षणों पर ध्यान देना कारगर

ब्रिस्बेन। डिम्बग्रंथि या अंडाशय के कैंसर का पता अक्सर तब चलता है जब वह विकसित हो चुके होते हैं और उनका इलाज करना कठिन होता है। शोधकर्ताओं का लंबे समय से मानना है कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि महिलाओं को पहली बार लक्षणों का अनुभव तब होता है जब डिम्बग्रंथि का कैंसर अपनी जड़ें अच्छी तरह से जमा चुका होता है। लक्षणों को पहचानना भी मुश्किल हो सकता है क्योंकि वे अस्पष्ट और अन्य स्थितियों के समान ही होते हैं। एक नए अध्ययन से पता चला है कि डिम्बग्रंथि के कैंसर का शुरुआती चरण में ही पता लगाया जा सकता है। अध्ययन में चार विशिष्ट लक्षणों वाली महिलाओं को लक्षित किया गया - सूजन, पेट में दर्द, बार-बार पेशाब करने की आवश्यकता, और जल्दी पेट भरा हुआ महसूस होना ।

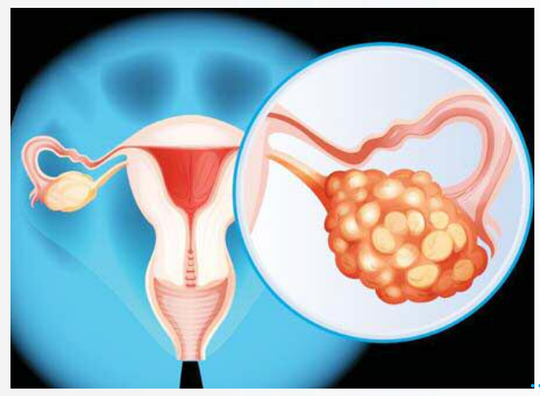

नए अध्ययन में क्या देखा गया

जून 2015 और जुलाई 2022 के बीच, शोधकर्ताओं ने यूके के 24 अस्पतालों से 16 से 90 वर्ष की आयु की 2,596 महिलाओं को चुना। उन्हें इन चार लक्षणों की निगरानी करने के लिए कहा गया था:

- लगातार पेट फूलना (महिलाएं अक्सर इसे सूजन के रूप में संदर्भित करती हैं)
- खाना शुरू करने के तुरंत बाद पेट भरा हुआ महसूस होना या भूख कम लगना
- पैल्विक या पेट में दर्द (जो अपच जैसा महसूस हो सकता है) बार बार पेशाब करने की आवश्यकता होना।

अध्ययन में क्या पाया गया?

डिम्बग्रंथि के कैंसर का जल्दी पता लगाना कठिन क्यों है? डिम्बग्रंथि के कैंसर का पता सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिग (जिसे पैप स्मीयर कहा जाता था) के माध्यम से नहीं लगाया जा सकता है और स्क्रीनिग टेस्ट के रूप में पेल्विक परीक्षाएँ उपयोगी नहीं होती है। कई लक्षण - जैसे थकान, कब्ज और मासिक धर्म में बदलाव - अस्पष्ट है और अन्य सामान्य बीमारियों जैसे ही लगते है। इससे शीघ्र पता लगाना एक चुनौती बन जाता है। लेकिन यह महत्वपूर्ण है - एक महिला के डिम्बग्रंथि कैंसर से बचने की संभावना इस बात से जुड़ी होती है कि जब कैंसर होने के बारे में पता चला तब वह कितना पुराना था। यदि कैंसर अभी भी मूल स्थल तक ही सीमित है और कोई फैलाव नहीं है, तो पांच साल तक जीवित रहने की दर 92% है। लेकिन आधे से अधिक महिलाओं में डिम्बग्रंथि कैंसर का निदान पहली बार तब होता है जब कैंसर पहले ही अपनी जड़े फैला चुका होता है, जिसका अर्थ है कि यह शरीर के अन्य हिस्सों में फैल चुका है। यदि कैंसर आसपास के लिम्फ नोड्स में फैल गया है, तो जीवित रहने की दर 72% तक कम हो जाती है। यदि निदान के समय तक कैंसर मेटास्टेसिस हो चुका है और शरीर में बाकी अंगों तक फैल चुका है, तो दर केवल 31% है। इस बात पर मिश्रित निष्कर्ष है कि क्या डिम्बग्रंथि के कैंसर का पहले पता लगाने से जीवित रहने की दर बेहतर होती है।

जिन महिलाओं ने लगातार या बार-बार चार लक्षणों में से कम से कम एक की सूचना दी, उन्हें फास्ट-ट्रैक मार्ग पर रखा गया। इसका मतलब है कि उन्हें दो सप्ताह के भीतर स्त्री रोग विशेषज्ञ से मिलने के लिए भेजा गया। लगभग 1,741 प्रतिभागियों को इस फास्ट ट्रैक पर रखा गया था। सबसे पहले, उन्होंने एक रक्त परीक्षण किया जिसमें कैंसर एंटीजन 125 (सीए125) मापा गया। यदि किसी महिला का सीए125 स्तर असामान्य था, तो उसे आंतरिक गुप्तांग अल्ट्रासाउंड करने के लिए भेजा गया।

एक ही दिन में गिरे 17 विकेट, भारत ने बनाई मैच पर अपनी पकड़

चेन्नई, एजेंसी।

चेन्नई, 20 सितंबर (वार्ता) भारत ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शुक्रवार को पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन बंगलादेश को पहली पारी में 149 के स्कोर पर ढ़ेर करने के बाद अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट पर 81 के स्कोर के साथ बढ़त 308 रन कर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली है।इससे पहले दिन में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और रवींद्र जडेजा की चौकड़ी ने बंगलादेश की टीम को 149 के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया था। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को पहला झटका रोहित शर्मा (पांच) के रूप में लगा। उन्हें तस्कीन अहमद ने आउट किया। इसके बाद सातवें ओवर में नाहिद राणा ने यशस्वी जायसवाल (10) को आउट कर दिया। 67 के स्कोर पर भारत को तीसरा झटका विराट कोहली के रूप में लगा। मेहदी हसन मिराज ने विराट को (17) पर पगबाधा आउट किया। विराट और शुभमन के बीच 39 रन की साझेदारी हुई।

आज दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने तीन विकेट पर 81 रन बना लिये है और उसकी बढ़त 308 रनों की हो गई है। शुभमन गिल (नाबाद 33) और ऋषभ पंत (नाबाद 12) क्रीज पर है।बंगलादेश की ओर से तसकीन अहमद, नाहिद राणा और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।भोजनकाल के बाद बंगलादेश ने तीन विकेट पर 26 रन से आगे खेलना शुरू किया। 12वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने कप्तान नजमुल शान्तो (20) को आउटकर भारत को चौथी सफलता दिलाई। इसके बाद बुमराह ने मुशफिकुर रहीम (8) को आउट किया।

शाकिब अल हसन और लिटन कुमार दास ने कुछ देर बंगलादेश की पारी को संभालने का प्रयास किया। शाकिब अल हसन (32) और लिटन कुमार दास (22) रवीन्द्र जडेजा का शिकार बने। हसन महमूद (9) और तसकीन अहमद (11) को बुमराह ने आउट किया। 48वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने नाहिद राणा (11) को आउट कर बंगलादेश की पारी को 149 के स्कोर पर समेट दिया। भारत ने बंगलादेश को फॉलो ऑन न देते हुए। दूसरी पारी में बल्लेबाजी का फैसला किया है।

भारत की ओर जसप्रीत बुमराह ने चार विकेट लिये। मोहम्मद सिराज, आकाश दीप और रवीन्द्र जडेजा ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।सुबह के सत्र में बंगलादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद और हसन महमूद ने भारतीय पारी को 376 स्कोर पर समेट दिया था। और पहले सत्र में भोजनकाल तक बंगलादेश ने 26 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवांकर दिये थे। आज भारत ने कल के छह विकेट पर 339 रन से आगे खेलना शुरू किया। अभी टीम को स्कोर 347 रन ही पहुंचा था कि तस्कीन अहमद ने रवींद्र जडेजा को विकेट के पीछे लिटन के हाथों कैच आउट कराकर सुबह के सत्र का पहला विकेट झटका।

रिश्तेदार नहीं चाहते थे मैं फिल्मों में काम करू: तृप्ति डिमरी

पेरेंट्स से कहा था- पूरी तरह बिगड़ जाएगी, गलत संगत में जाएगी, इससे कोई शादी नहीं करेगा

मुंबई, एजेंसी।

इम्तियाज अली की फिल्म लैला मजनू से बॉलीवुड डेब्यू करने वालीं तृप्ति डिमरी आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। हालांकि एक समय ऐसा भी था, जब उनके परिवार वाले नहीं चाहते थे कि वो फिल्मों में आएं। उन्हें सोसाइटी और रिश्तेदारों के खूब ताने सुनने मिलते थे। तृप्ति ने ये भी बताया है कि रिश्तेदारों ने उनके पेरेंट्स से कहा था कि अगर तृप्ति फिल्मों में जाएंगी, तो उनसे कोई शादी नहीं करेगा। हाल ही में तृप्ति डिमरी, कटरीना कैफ की ब्यूटी ब्रांड के-ब्यूटी बाय कटरीना की कन्वर्सेशन का हिस्सा बनी थीं। इस दौरान तृप्ति ने अपना स्ट्रगल शेयर किया है। तृप्ति ने कहा है, ह्यजब मैं मुंबई आई तो मेरे लिए ये बेहद मुश्किल था। मैं रोज घर से निकलकर ऑडिशन देने जाती थी। ऑडिशन के दौरान एक कमरे में 50-60 लोग होते थे। लोग, समाज, रिश्तेदार मेरे पेरेंट्स से बहुत बुरी बातें कहते थे। वो कहते थे आपने अपनी बेटी को इस प्रोफेशन में क्यों भेजा है। वो पूरी तरह बिगड़ जाएगी। वो गलत लोगों के साथ उठेगी-बैठेगी। वो अपने लिए गलत फैसले लेगी। कोई भी उससे शादी नहीं करेगा। वो अब शादी नहीं करेगी। एक समय था जब मैंने उम्मीद खो दी थी- तृप्ति डिमरी इंटरव्यू में तृप्ति ने मुंबई के स्ट्रगल पर कहा है, एक ऐसा समय भी रहा, जब मैंने उम्मीद खो दी थी। मैं सुबह सोकर उठती थी और मेरे पास कोई काम नहीं होता था।

पेज 1 का शेष

वैश्विक शांति के प्रस्तावों पर.....

अमेरिका यात्रा के बारे में जानकारी देने के लिए आज यहां बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में रूस यूक्रेन मुद्दे के बारे में कई सवालों के जवाब में कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री ने रूस और यूक्रेन का दौरा किया, जिसके बाद उन्होंने नेताओं से भी बात की, अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ आर बिडेन और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन से बात की और जब हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी रूस गए, तो उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन से भी बात की थी। अमेरिका में प्रधानमंत्री की बैठकों या शिखर सम्मेलनों में भारत की ओर से किसी शांति प्रस्ताव को रखे जाने के बारे में पूछे जाने पर विदेश सचिव ने कहा, मैं बस इतना कहूंगा कि इन सभी प्रमुख नेताओं के बीच यह बातचीत चल रही है। जहां तक (शांति) प्रस्ताव बनाने का सवाल है, हमें यह देखना होगा कि कितनी सहमति बनती है और क्या हम किसी तक पहुंच पाते हैं। वह स्तर जहां एक प्रस्ताव को बड़ी संख्या में दर्शकों के सामने रखा जा सकता है।यह पूछे जाने पर क्या भारत पश्चिम एशिया में भी शांति की कोई पहल कर रहा है, श्री मिस्त्री ने कहा कि भारत कई मंचों पर शांति की पहल को लेकर काम कर रहा है। फिलहाल हमारे पास कोई साझा करने लायक बात नहीं है। कई वातार्कार इसमें शामिल हैं। यदि कुछ होता है तो अपडेट किया जाएगा। जहां तक पश्चिम एशिया के दीर्घकालिक समाधान के बारे में भारत का रुख पूर्ववत ही है। भारत दो राष्ट्र के सिद्धांत का समर्थक है जहां दोनों देश एक दूसरे के साथ स्थायी सीमाओं के भीतर शांति एवं सद्भाव से रहें। श्री मोदी की यात्रा के बारे में श्री मिस्त्री ने कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी 21 से 23 सितंबर तक अमेरिका का दौरा करेंगे। विभिन्न विदेशी भागीदारों के साथ बातचीत होगी। बड़े पैमाने पर मुलाकातें एवं बैठकें होगीं। अमेरिका में प्रवासी भारतीय और अन्य लोगों के अलावा व्यापार और उद्योग के कई नेताओं के साथ बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का पहला पड़ाव डेलावेयर में विलमिंगटन होगा जो राष्ट्रपति बिडेन का गृहनगर भी है। छठा क्वाड शिखर सम्मेलन वहां आयोजित किया जाएगा। विलमिंगटन से, प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र में भविष्य के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क जाएंगे। 22 तारीख को, प्रधानमंत्री भारतीय प्रवासियों के साथ संवाद करेंगे। श्री मोदी अत्याधुनिक तकनीक क्षेत्र -एआई, क्वांटम कम्प्यूटिंग, बायोटेक आदि क्षेत्रों की कंपनियों के सीईओ से भी मुलाकात करेंगे। वह 23 तारीख को भविष्य पर शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

कोहरे ने दी.....

बदलाव आने वाले वक्त में व्यापक सर्दी की ओर इशारा कर रहा है।कृषि वैज्ञानिक मानते हैं कि कोहरा किसी भी फसल के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है यह फसलों की ग्रोथ को बढ़ाने के लिए सबसे अधिक लाभदायक है। कृषि विभाग के उपनिदेशक आर.एन.सिंह बताते है कि कोहरा किसी भी फसल के लिए सबसे अधिक फायदेमंद होता है,अगर कोहरे की शुरू आत हो गई है तो अब सर्दी आने में देर नहीं लगेगी।इससे पहले जिले में 18 सितंबर को हुयी बरसात के दौरान तीन लोगों की विभिन्न इलाकों में मौत हुई है जबकि एक दर्जन के आसपास लोग घायल हुए हैं। दर्जनों के कच्चे पक्के मकान गिर गए है। कई दर्जन के आसपास पेड़ों के गिरने की भी घटनाएं बरसात के दौरान घटित हुई है।कृषि विभाग के अनुसार इटावा में एक दिन में 300 मिमी बरसात हुई। इटावा जिला बरसात के मामले में पहले 80 फीसदी चिन्हित था लेकिन अब इटावा 110 फीसदी वाले जिलों में शुमार हो गया है।उप जिला कृषि निदेशक आर.एन.सिंह बताते है कि इस बरसात से धान और बाजरा को मामूली रूप से नुकसान हुआ है। जिन खेतों में धान पहले बोआ गया है उसमे नुकसान जरूर हुआ लेकिन बाद वाली फसल को कोई नुकसान नहीं हुआ है।

नहीं होने देंगे.....

नहीं है सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा।जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि दबंग उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन कब्जाने में पेशेवर प्रवृत्ति वालों को भू माफिया के रूप में चिन्हित कर सख्ती की जाए। किसी भी गरीब की जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई करें जो नजीर बने। जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।पारिवारिक रिश्तों को लेकर विवाद संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि सबसे पहले इसमें सभी पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने की जरूरत है।जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा।

फिर चलेगा संचारी रोग नियंत्रण...

नगर निगमों, नगर पालिकाओं और समस्त नगर पंचायतों के लिए संवेदीकरण बैठक निर्धारित की गई है एवं समस्त नगर निकायों द्वारा विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के लिए निकाय वार व वार्ड वार संपन्न की जाने वाली गतिविधियों की माइक्रोप्लान जनपद स्तर पर मुख्य चिकित्साधिकारी को 29 सितंबर तक उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने निर्देश दिये हैं कि नगरीय निकायों के अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा दिमागी बुखार समेत अन्य वेक्टर जनित रोगों, जलजनित रोगों की रोकथाम तथा साफ-सफाई के संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से संवेदीकरण कराया जाए। नगरीय क्षेत्र में मोहल्ला निगरानी समितियों के माध्यम से दिमागी बुखार एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों, जलजनित रोगों के विषय में निरंतर जागरूकता स्थापित की जाए। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग करवाना, स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई हाई रिस्क क्षेत्रों की सूची में उल्लिखित स्थानों पर सघन वेक्टर नियंत्रण एवं संवेदीकरण गतिविधियां संपादित कराना शामिल है। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में 11 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान भी चलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर साफ-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगे। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, इंफ्लुएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई), फाइलेरिया, काला जार, कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों, कुपोषित बच्चों का नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित सम्पूर्ण विवरण ईझकवच पोर्टल पर अपलोड करेंगी। साथ ही क्षेत्रवार घरों की सूची जहां मच्छरों का प्रजनन पाया गया है, इसका विवरण निर्धारित प्रपत्र पर भरकर संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराएंगी। स्वास्थ्य विभाग समेत 11 अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास से संचारी और दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ग्राम्य विकास विभाग/पंचायती राज विकास विभाग, नगर विकास विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, सूचना जनसम्पर्क विभाग तथा उद्यान विभाग शामिल है। स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग की भूमिका में होगा।

कांग्रेस के अंदर देशभक्ति दम.....

को तोड़ना, देश को तोड़ने की बात करना, भारतीय संस्कृति और आस्था का अपमान करना, ये वो कांग्रेस है, जिसे टुकड़े-टुकड़े गैंग और अर्बन नक्सल के लोग चला रहे हैं।श्री मोदी ने कहा, आज देश की सबसे बेईमान और सबसे भ्रष्ट कोई पार्टी है, तो वह कांग्रेस पार्टी है। देश का सबसे भ्रष्ट परिवार कोई है, तो वो कांग्रेस का शाही परिवार है।प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की कांग्रेस को गणपति पूजा से भी नफरत है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र की धरती गवाह है, आजादी की लड़ाई में लोकमान्य तिलक के नेतृत्व में गणपति उत्सव भारत की एकता का उत्सव बन गया था। गणेश उत्सव में हर समाज, हर वर्ग के लोग एक साथ जुड़ते थे। इसीलिए, कांग्रेस पार्टी को गणपति पूजा से भी चिढ़ है। मैं गणेश पूजन कार्यक्रम में चला गया, तो कांग्रेस का तुष्टिकरण का भूत जाग उठा, कांग्रेस गणपति पूजा का विरोध करने लगी। श्री मोदी ने कांग्रेस शासित कर्नाटक में गणपति शोभा यात्रा पर हमले और विघ्न की घटना का भी जिक्र किया और कहा, तुष्टिकरण के लिए कांग्रेस कुछ भी कर रही है। आपने देखा है, कर्नाटक में तो कांग्रेस सरकार ने गणपति बप्पा को ही सलाखों के पीछे डाल दिया। गणपति की जिस मूर्ति की लोग पूजा कर रहे थे, उसे पुलिस वैन में कैद करवा दिया। उन्होंने मराठी में कहा, महाराष्ट्र में गणपतीची आराधना करीत होता आणि कर्नाटकात गणपतीची मूर्ती पोलिस वैन मद्धे होती ?ऐसी घटनाओं पर कांग्रेस के सहयोगियों के मौन पर प्रधानमंत्री ने कहा, पूरा देश गणपति के इस अपमान को देखकर आक्रोशित है। मैं हैरान हूँ, इस पर कांग्रेस के सहयोगियों के मुंह पर भी ताला लग गया है। उन पर भी कांग्रेस की संगत का ऐसा रंग चढ़ा है कि गणपति के अपमान का भी विरोध करने की उनमें हिम्मत नहीं बची है।श्री मोदी ने लोगों को विकास के एजेंडा के साथ खड़ा होने का आह्वान करते हुए कहा, हमें एकजुट होकर कांग्रेस के इन पापों का जवाब देना है। हमें परंपरा और प्रगति के साथ खड़ा होना है। हमें सम्मान और विकास के एजेंडे के साथ खड़ा होना है। हम साथ मिलकर महाराष्ट्र की अस्मिता को बचाएंगे।

हिन्दी दैनिक सत्ता संकेत
R.N.I. No.: UPHIN/2016/69492
स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एंव सम्पादक **जूही सिन्हा** द्वारा रूद्राक्ष प्रिन्टर्स, 89/211, राम गोपाल विद्यान्त रोड, मकबूलगंज लखनऊ (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर एंव म.न.- 592/823, बंगाली टोला, खरिका, तेलीबाग, लखनऊ (उ.प्र.)-226029 से प्रकाशित। मो0- 9198670986, ई मेल- sattasanket@gmail.com
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।